'अग्नि' परीक्षा • 15 साल के डेटा बेस से फॉर्म की स्क्रूटनी

यूपीएससीः एआई से डेटा प्रोसेस, प्री से पहले 569 का फॉर्म खारिज

अनिरुद्ध शर्मा | नई दिल्ली

यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा-2026 के प्रीलिम्स में ही एआई का इस्तेमाल कर 569 अयोग्य आवेदन खारिज कर दिए। आयोग ने 15 साल के डेटा को एआई से प्रोसेस किया। खारिज करने के कारणों में एक ही उम्मीदवार द्वारा एक से ज्यादा आवेदन, उम्र सीमा पार होने, श्रेणी बदलने और प्रयासों की संख्या पार करना रहा। 24 मई की सीएसई के लिए 8.18 लाख ने आवेदन किया था। 2022 में पूजा खेड़कर ने प्रयासों की संख्या पूरी होने के बाद भी नाम बदलकर आवेदन किया था। वह सेवा में चुन भी ली गईं, बाद में नौकरी से हटा दिया गया।

पहली बार... 30 मिनट पहले फेस ऑथेंटिकेशन

यूपीएससी ने पहली बार प्री से 30 मिनट पहले सेंटर पर आवेदकों का फेस ऑथेंटिकेशन किया। रियल टाइम में लाइव फोटो देने का अनिवार्य प्रावधान किया।

- स्क्रूटनी के लिए आवेदकों से स्वैच्छिक रूप से आधार नंबर मांगे गए थे। 94% आवेदकों ने आवेदन के समय आधार नंबर दे दिए थे।
- 43,497 से पिछली परीक्षा की तुलना में श्रेणी बदलने पर ईमेल से कारण पूछा गया। श्रेणी बदलने से उम्मीदवार के नंबर ऑफ अटैम्प्ट बदल जाती है।